Deccan Herald.

News item/letter/article/editorial published on 27/2/17 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of
Indian Expres
Tribune
Hindustan (Hi

P.Chronicle
aj (Hindi)
ian Nation
Duniya (Hindi)
Times of India (A)

and documen

Act fast to revive Bellandur lake

The lackadaisical attitude of the Karnataka government under Chief Minister Siddaramaiah's leadership towards preservation of the environment, particularly the lakes of Bengaluru, is highly irresponsible. The frequent and dramatic exposition of high levels of pollution at Bellandur lake, the city's largest water body, has been causing periodic shocks to the citizens, and has besmirched Bengaluru's reputation. But, the authorities continue to be shamelessly apathetic and inactive. When fire broke out at Bellandur recently, covering the whole lake with a thick cloud of smoke for hours, the Bangalore Development Authority (BDA) and the Bangalore Water Supply and Sewerage Board (BWSSB) came up with the casual explanation that the fire was caused by garbage dumped on the lake bed. It was criminal to have allowed the piling of garbage near the lake and even more criminal that the whole lake has been turned into a cesspool of tonnes of untreated sewerage and toxic waste.

It has been a living hell for the residents of Bellandur and thousands of office-goers taking the roads around the lake, particularly in the last three years, as very often the lake has over-flowed with a voluminous amount of deadly foam that has 'attacked' people, mainly pedestrians and those travelling by two-wheelers. There have been innumerable complaints of lung infection, skin allergies and frequent bouts of dengue reported from the neighbourhood, all pointing to some serious health issues posed by the pollution. First and foremost, the disgorging of sewerage into the lake should stop completely. This should be the responsibility of civic authorities. Forcing individual apartments to set up STPs is not practical and it will be almost impossible to monitor them regularly. Hence, the best option for the government would be to instruct the BWSSB to take up the work on a war-footing and complete it at the earliest. Next, the pollution control board should come down heavily against polluting industries around the lake. It must invoke the latest Supreme Court judgment to close them down until they put up water treatment plants and ensure that waste is not released into the lake.

It is heartening to note that the National Green Tribunal (NGT) has taken suo motu note of the Bellandur lake pollution and asked the BDA, the BWSSB, the Lake Development Authority and the pollution control board to come up with a plan of action to rejuvenate the lake in two weeks. Expressing its unhappiness that the authorities were "ruining a city like Bengaluru," the Tribunal has threatened to initiate prosecution of the officials under the Environment Protection Act if they failed in their duty to protect the lake. After such a harsh warning, the Bellandur lake will hopefully see better days and return to being a clean and healthy source of water.

3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on February 28.2.2017 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

फिर गहराया सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद

हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल के नेताओं ने सतलुज-यमुना लिंक नहर का मुद्दे को फिर गरमा दिया है। वहीं पंजाब के नेता राज्य में कम होते जलस्तर का तर्क देते हुए कहते हैं कि इस विवाद को तूल देने से प्रदेश की शांति को खतरा हो सकता है- कैच न्यूज से

पंजाब की नदी के पानी का हरियाणा के साथ बंटवारा और सतलुज-यमुना नदियों को प्रस्तावित नहर से जोड़ने का विवादास्पद मुद्दा राजनीतिक हलकों में फिर उठ खड़ा हुआ है। इस बार इस मुद्दे को हरियाणा में विपक्ष की मुख्य पार्टी इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) ने उठाया है। इस मुद्दे को इस समय उठाने का मतलब होगा, राज्य में मनोहर लाल खट्टर की भाजपा सरकार पर और मुसीबतें लाना। खट्टर अपनी अस्थिर स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं, जो जाट आंदोलन के फिर भड़कने के बाद हो गई थी। आईएनएलडी के नेता अभय चौटाला और अन्य नेताओं का आरोप है कि हरियाणा सरकार ने नहर के निर्माण के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। इसके बावजूद कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में राज्य के पक्ष में फैसला दिया था। उन्होंने 10 फरवरी को आए फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि पंजाब को अपने पड़ोसी राज्यों के साथ पानी के बंटवारे को लेकर हुए समझौते को एकतरफा समाप्त करने का अधिकार नहीं है। यह सवाल अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 2004 में लाए गए 'पंजाब टर्मिनेशन ऑफ वाटर एग्रीमेंट एक्ट' में राष्ट्रपति के संदर्भ का है। दूसरी ओर आईएनएलडी के इस कदम का पंजाब में राजनीतिक ताकतों ने विरोध किया है। शिरोमणि अकाली दल ने हरियाणा की राजनीतिक पार्टियों से अनुरोध किया है कि वे सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) के मुद्दे पर पंजाब के लोगों को भड़काने वाली गतिविधियों में नहीं पड़ें। शिरोमणि अकाली दल सचिव डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि एसवाईएल का मुद्दा हमेशा के लिए खत्म हो चुका है क्योंकि पंजाब विधानसभा ने प्रोजेक्ट के लिए अधिगृहीत भूमि वापस करने का प्रस्ताव पारित कर दिया था। प्रोजेक्ट के लिए अधिगृहीत भूमि उनके मूल मालिकों को लौटा दी गई है और अब यह राज्य के किसानों के पास है। यह मुद्दा ना केवल पंजाब के किसानों के लिए बल्कि सभी पंजाबियों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है, क्योंकि राज्य में जल-स्तर पहले से कम हो रहा है। इधर हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज का कहना है कि एसवाईएल नहर की खुदाई महज विपक्ष की कुछ पार्टियों की चाल है और उनका मकसद प्रचार के लिए तस्वीरें खिंचवाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि अकाली दल और आईएनएलडी फिक्स्ड मैच खेल रहे हैं। विज का तो यह भी कहना है कि आईएनएलडी एसवाईएल नहर से पानी लाने में सफल होता है, तो वे खुद जाकर उन्हें माला पहनाएंगे। विपक्ष की पार्टियों के कारण ही हरियाणा अब तक पानी से वंचित है। विज कहते हैं कि वर्तमान राज्य सरकार के कारण ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य के पक्ष में फैसला दिया है। लेकिन विपक्ष इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चेताया है कि एसवाईएल के मुद्दे पर नेताओं के भडकाऊ बयानों से पंजाब की शांति पर विपरीत असर पड़ सकता है।

3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on February 24.2.2017 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

कड़ी सुरक्षा शीर्ष अदालत के आदेश का असर...

नहर खुदाई का इनेलो का होहल्ला हुआ पस्त

सुनीलराय कामरेड, पंजाब केसरी/
लुधियाना-शंभू बैरियर

'साडा हक एत्थे रख.. ' पानी के नाम पर दो राज्यों के सियासी नेताओं द्वारा पहले से ही घोषित राजनीतिक ड्रामा खत्म होते ही पंजाब-हरियाणा समेत देश की जनता ने सुख की सांस ली। हालांकि दोनों राज्यों की जनता इस दौरान सारा दिन डरी व सहमी रही। पंजाब एवं हरियाणा सीमावर्ती क्षेत्र अंबाला के नजदीक शेरशाह सूरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित शंभू बैरियर और अन्य बैरियरों पर सुरक्षा चाक-चौबंद रही। दोनों राज्यों के पुलिस बल अपने-अपने मुलाजिमों के साथ संवदेनशील स्थानों पर मोर्चा लिये खड़े नजर आए। हालांकि उनकी

बना रहा तनाव

- निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर अभय चौटाला ने कार्यकर्ताओं समेत दी गिरफ्तारी
- लुधियाना के विधायक बैंस भाइयों को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

सहायता के लिए केंद्र द्वारा भेजे गए दर्जनों अर्द्धसैनिक बलों के सशस्त्र जवान भी मुस्तैद थे ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। सतलुज यमुना लिंक नहर (एसवाईएल) की खुदाई करने आए इनेलो प्रधान अभय चौटाला और उनके पार्टी समर्थकों को पंजाब

इनेलो नेता अभय चौटाला और हरियाणा इनेलो अध्यक्ष अशोक अरोड़ा को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस। (छाया : पंजाब केसरी)

पुलिस ने दोनों राज्यों की सरहद शंभू बैरियर को क्रास करते ही दफा 144 तोड़ने के उल्लंघन में गिरफ्तार कर लिया। हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों में कई महिलाएं भी शामिल थीं। उधर इन गिरफ्तारियों से पहले लुधियाना के बैंस विधायक ब्रदर्स के नाम के चर्चित आजाद विधायक सिमरनजीत सिंह बैंस

▸ शेष पृष्ठ [illegible] पर

Continue next page.

News item/letter/article/editorial published on Febry. 24.2.2017 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and

इनेलो नहीं...

सतलुज-यमुना लिंक नहर मुद्दे पर इनेलो के कूच को देखते हुए गुरुवार को अंबाला के निकट शंभु बॉर्डर पर तैनात जवान और इनसेट में लुधियाना के विधायक बैंस बंधु, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

बलविंद्र सिंह बैंस को कई समर्थकों के साथ पटियाला पुलिस ने सरहंद स्थित दाना मंडी में गिरफतार कर लिया। उल्लेखनीय है कि इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी द्वारा पहले से ही घोषित सतलुज यमुना लिंक नहर के पानी पर हक़ जमाने के लिए पंजाब के गांव कपूरी में पहुंचकर खोदने के लिए अपना जोर लगाया हुआ था परंतु पंजाब पुलिस ने इनेलो कार्यकर्ताओं को आज बैरिकेट क्रास करने नहीं दिया। इनेलो नेता अभय चौटाला की अगुवाई में 200-250 के करीब समर्थकों ने पंजाब हरियाणा सरहद की तरफ सियासी भाषणों के उपरांत कूच किया परंतु इससे आगे पहुंचकर खुदाई करना तो दूर एक इंच भी कदम पंजाब की सरजमी पर नहीं रख पाएं। जिस कारण अभय चौटाला को घग्गर नहर पर टक लगाकर गिरफ्तारी देनी पड़ी। इस दौरान अभय चौटाला ने स्वयं ही अपने समर्थकों को वापिस मुड़ जाने की अपील करते नजर आए। गिरफ्तारी से पहले इनेलो नेता अभय चौटाला ने हरियाणा सरकार पर बरसते हुए कहा कि वह अपना फर्ज निभाने में फेल रही है।

इस अवसर पर पंजाब के नेताओं द्वारा दी जा रही धमकियों पर प्रतिक्रिया स्वरूप उन्होंने कहा कि जो नेता हरियाणा को एक भी बूंद पानी न दिए जाने की बयानबाजी कर रहे हैं वो हरियाणा की धरती पर पैर रख कर बताएं। इसी बीच पंजाब पुलिस ने 2-3 बसों में इनेलो समर्थकों को गिरफ्तार करके अज्ञात स्थान की ओर ले जाया गया है। इससे पहले इनेलो कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पंजाब की ओर कूच किया तो हरियाणा पुलिस पूर्ण रूप से मूक दर्शक रही।

उल्लेखनीय है कि इनेलो नेता अभय चौटाला ने ऐलान किया हुआ था कि वह 23 फरवरी को अपने लाखों इनेलो समर्थकों के साथ गांव कपूरी पहुंचकर एसवाईएल नहर की खुदाई करेंगे परंतु शंभू बार्डर पर हजारों की गिनती में पहले से ही तैनात पंजाब पुलिस और केंद्रीय पैरामिलिट्री के जवानों ने उन्हें आगे न बढ़ने दिया और गिरफ्तार कर लिया। शंभू बैरियर पर सुरक्षा प्रबंधों की देखरेख कर रहे एडीजीपी लॉ एंड आर्डर स. हरदीप सिंह ढिल्लो और आईजी परमराज सिंह उमरानंगल समेत कई जिलों के पुलिस प्रमुख अलग-अलग स्थानों पर मुस्तैद दिखाई दे रहे थे। इधर इसी मुद्दे को लेकर लुधियाना के बैंस विधायक ब्रदर्स ने भी हजारों समर्थकों के साथ चौटाला को ललकारते हुए ललकार रैली का आयोजन किया था।

दोनों विधायक ब्रदर्स को समर्थकों के साथ कपूरी की तरफ जाने से रोकते हुए पटियाला पुलिस ने सरहंद रोड पर स्थित अनाज मंडी में ही रोक लिया, जिसके बाद बैंस विधायक सैकड़ों समर्थकों ने धरना लगा दिया। इस अवसर पर सिमरनजीत सिंह बैंस का कहना था कि नहर संबंधी सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है, वह अकाली दल की गद्दारी के कारण हुआ है क्योंकि हरियाणा की इनेलो पार्टी और पंजाब में अकाली दल एक-दूसरे के साथ मिले हुए हैं। उन्होंने इनेलो को ललकारते हुए कहा कि पंजाब के लोगों ने चूड़िया नहीं पहन रखी। उन्होंने कहा कि जो कोई भी पंजाब आकर यहां से जबरी पानी ले जाने की कोशिश करेगा उनका हश्र सारी दुनिया देखेगी। सिमरनजीत सिंह बैंस ने लुधियाना से चलने से पहले स्पष्ट किया कि पंजाब के लोग चौटाला की गिदड़ भकियों से नहीं डरने वाले। उन्होंने कहा कि वे भूल गए हैं कि पंजाब के लोग पूरी दुनिया में अपनी दलेरी के कारण पहचाने जाते हैं। चाहे हिंदुस्तान को आजाद करने का वक्त हो या फिर सरहदों की रक्षा करने का कर्त्तव्य हो, पंजाब के लोगों ने अपने हकों के लिए सब कुछ कुर्बान किया है। पंजाब की सरहद पर बसे कस्बा कपूरी में आज खुदाई करने के ऐलान के बाद पंजाब के डीजीपी सुरेश अरोड़ा ने अपने हाथों कमान संभाल रखी थी।

वीरवार राष्ट्रीय राजमार्ग का 24 किलोमीटर का एरिया आठ घंटे के लिए पूर्ण तौर पर सील कर दिया गया। अंबाला-राजमार्ग पर किसी भी वाहन को आने-जाने की इजाजत नहीं थी। स्थान-स्थान पर विशेष नाके लगाकर पैनी नजर रखी जा रही थी। जबकि राष्ट्रीय मार्ग कुरुक्षेत्र से पंजाब जाने वाले वाहनों को डायवर्ट करके आने-जाने की व्यवस्था बना रखी थी। हरियाणा पंजाब सरहद पर शंभू बैरियर के नजदीक बेमिसाल सुरक्षा प्रबंध किए गए और अंबाला की ओर से आने वाले तमाम रास्तों पर अवरोधक लगाने के अलावा सुरक्षा कर्मियों व आर्म्ड पुलिस की नफरी तैनात रही। इसके अलावा दो हेलीकाप्टरों की मदद से पूरी स्थिति पर नजर बनाई रखी गई।

Condmh

3
Covering L., YIS